साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

समय माया

R.N.I. No.: MP/HIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
+91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 17 अंक 34 प्रति सोमवार इंदौर, 25 मार्च से 31 मार्च 2024 पृष्ठ 8 मूल्य 5/- रुपए

चीन ने फिर भूटान की सीमा पर कई गांव बसाकर किया खेल

अमेरिकी सैटेलाइट की ताजा तस्वीरों में दिखा अवैध विस्तार

चीन एक बार फिर भूटान से लगी विवादित सीमा पर अपने गांवों का विस्तार कर रहा है। दोनों देशों को अलग करने वाले इन हिमालयी क्षेत्रों में कम से कम तीन गांव बनाए गए हैं। जबकि कुछ गांवों का आकार दोगुना कर दिया गया है। जबकि दूसरी ओर दोनों देशों के बीच सीमा विवाद पर वार्ता भी जारी है। अमेरिका की सैटेलाइट तस्वीरों में अवैध विस्तार के पुख्ता सुबूत हैं।

चीन एक बार फिर भूटान से लगी विवादित सीमा पर अपने गांवों का विस्तार कर रहा है। दोनों देशों को अलग करने वाले इन हिमालयी क्षेत्रों में कम से कम तीन गांव बनाए गए हैं। जबकि कुछ गांवों का आकार दोगुना कर दिया गया है। जबकि दूसरी ओर, दोनों देशों के बीच सीमा विवाद पर वार्ता भी जारी है।

अमेरिका की मैक्सर तकनीक से ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में अवैध विस्तार के पुख्ता सुबूत हैं। यह सीमावर्ती गांवों में 147 चीनी घरों में लोगों के प्रवेश करने से मात्र सात दिन पहले की सैटेलाइट तस्वीर हैं। हांगकांग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रविवार को प्रकाशित रिपोर्ट में सत्तारूढ़ चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी के अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि चीन सरकार ने यह विस्तार कथित रूप से एक गरीबी योजना के तहत किया है, लेकिन असलियत में इस क्षेत्र की दो राष्ट्रों की सुरक्षा में अहम भूमिका है।

18 नए घर चीनी निवासियों के रहने के लिए तैयार

चीन और भूटान की सीमा से लगे जोन में स्थित हिमालय के सुदूर गांव में बने 18 नए घरों में चीनी निवासियों के रहने आने के लिए तैयार हैं। हरेक घर में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के पोट्रेट लगे हैं और चीनी व तिब्बती भाषा में लाल रंग के बैनर पर 'स्वागत' लिखा हुआ है।

38 परिवारों को विस्तारित गांव तामालुंग में भेजा गया

पिछले ही साल 28 दिसंबर को 38 परिवारों के चीनी नागरिकों के पहले समूह को तिब्बती शहर शिगात्से से नए विस्तारित गांव तामालुंग में भेजा गया है। विस्तारित गांवों में 235 परिवारों को बसाने की तैयारी है। जबकि 2022 के अंत तक वहां केवल 70 घरों में 200 लोग ही रहते थे।

ग्यालाफुग गांव 2007 में बसाया गया था

बताया जाता है कि सैटेलाइट इमेज में सीमावर्ती गांव पूर्वी तामालुंग, ग्यालाफुग ने पिछले साल मात्र 16 वर्ग किमी तक सीमित रहे गांव का फैलाव इस हद तक हो गया है कि उसमें 150 से अधिक नए घर शामिल कर लिए गए हैं। ग्यालाफुग गांव जो 2007 में बिना बिजली-पानी केवल दो घरों के साथ बसाया गया था। उसे 2016-18 में बतौर मॉडल विलेज विकसित कर लिया गया।

सीमा को आगे बढ़ाने की कोशिश में जुटा चीन

चीन एक योजना के तहत भूटान से लगे अपने सीमावर्ती गांवों का विस्तार करते हुए अपनी सीमा को भी आगे बढ़ाने की कोशिश में जुटा हुआ है। चीन और भूटान के बीच कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, लेकिन विवादों को सुलझाने के लिए दोनों देशों के अधिकारी तय पर दौरा करते रहते हैं। इस घटनाक्रम में सबसे खास बात यह है कि विवादित सीमा को लेकर भूटान और चीन ने पिछले साल अक्टूबर में ही संयुक्त तकनीक टीम के जरिये सहयोग के लिए समझौता किया है।

डोकलाम पठार में सड़क बनाने पर दोनों में ठनी

इस समझौते पर भूटान के विदेश मंत्री डा.तांडी दोरजी और भारत में चीन के पूर्व राजदूत के दस्तखत हैं। (शेष पेज 2 पर)

कर्ज लो घी पीओ, मप्र पर पहले से 385000 करोड़ का कर्ज

और अब 5000 करोड़ का फिर से कर्ज...

शासकीय कर्मियों को देने वेतन नहीं, मीडिया पर अरबों लुटाये मोती दलाली के लिए बड़ी-बड़ी योजनाओं का उद्घाटन चुनाव जीतने के लिए, भाड़ में जाए जनता और प्रदेश

प्रदेश में नए मुख्यमंत्री मोहन यादव डॉक्टरेट हैं, से उम्मीद थी कि प्रदेश की आर्थिक तंग हाली को दूर कर कुछ अच्छा करेंगे कर्मचारियों अधिकारियों को पदोन्नतियां देंगे सारे विभागों में मात्र 20-30% स्टाफ काम कर रहा है नई भर्तियां करेंगे सुबाओं को रोजगार देंगे। पर इसके विपरीत ये भू कॉलोनी शराब खनन आदि माफिया प्रदेश की सत्ता को कम ध्यान देकर अपने व्यवसाय और उज्जैन को आने वाले स्वास्थ्य के नाम पर हजारों करोड़ खर्च करने की तैयारी में जनधन से पेट्रोल डीजल गैस पर 38% वेट जो देश में सबसे ज्यादा है। शराब पर भी मोती वसूली विप देश में सबसे ज्यादा टैक्स वसूल रही है के साथ 1500 से ज्यादा सेवाओं और वस्तुओं पर जीएसटी, 10 गुना ज्यादा परिवहन शुल्क, 12% पेंशीयन शुल्क यह भी देश में सबसे ज्यादा है आदि का लूटा हुआ पैसा अपने आप की जागीर समझ मन माने तरीके से बड़ी-बड़ी 3 से 10 गुना ज्यादा की डीपीआर की योजना बनाकर लूटने में व्यस्त हैं इतना सारा पैसा आने की विपरीत दैनिक वेतन भोगी संविदा कर्मियों बाहा स्रोत मानव संसाधन उपलब्ध करवाने वाले कर्मचारियों को देने के लिए पिछले 6 माह से मीतर नहीं हैं (शेष पेज 3 पर)

भारत में सबसे अमीर 1% लोगों के पास कुल संपत्ति का 40% से अधिक हिस्सा

अधिकार समूह ने कहा कि निचली आधी आबादी के पास कुल संपत्ति का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है

16 जनवरी को एक नए अध्ययन से पता चला है कि भारत में सबसे अमीर एक प्रतिशत के पास अब देश की कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है, जबकि निचली आधी आबादी के पास कुल संपत्ति का केवल 3 प्रतिशत हिस्सा है।

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के पहले दिन अपनी वार्षिक असमानता रिपोर्ट का भारत पूरक जारी करते हुए अधिकार समूह ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने कहा कि भारत के दस सबसे अमीरों पर 5 प्रतिशत कर लगाने से बच्चों को स्कूल वापस लाने के लिए पूरा पैसा मिल सकता है। इसमें कहा गया है, 'सिर्फ एक अरबपति, गौतम अडानी पर 2017-2021 तक अप्राप्त लाभ पर एकमुश्त कर लगाने से 1.79 लाख करोड़ रुपये जुटाए जा सकते थे, जो एक साल के लिए पांच मिलियन से अधिक भारतीय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को नियुक्त करने के लिए पर्याप्त है।' 'सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट' शीर्षक वाली रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अगर भारत के अरबपतियों पर उनकी पूरी संपत्ति पर 2 प्रतिशत का कर लगाया जाए, तो यह अगले तीन वर्षों के लिए देश में कुपोषितों के पोषण के लिए 40,423 करोड़ रुपये की आवश्यकता का समर्थन करेगा।

'देश के 10 सबसे अमीर अरबपतियों पर 5 प्रतिशत का एकमुश्त कर (1.37 लाख करोड़ रुपये) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (86,200 करोड़ रुपये) और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अनुमानित धन के 1.5 गुना से अधिक है। (शेष पेज 7 पर)

साप्ताहिक समय माया

संपादकीय

हवस की मानसिकता का शिकार देश

लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत में वर्तमान में आपराधिक मानसिकता के जाहिल नेताओं का सत्ता पर कब्जा है और इस कब्जे को बरकरार रखने वे विपक्ष को खत्म करना चाहते हैं ताकि पूर्व व पिछले 10 वर्षों में देश को बर्बाद करने में किए कुकर्मों, अपराधों, लूट, वसूली जो कि वर्तमान में धीरे-धीरे सामने आ रही हैं। छुपाये रख सकें। प्रकृति का नियम है कि जो जन्मा है। उसकी मृत्यु निश्चित व अवश्य होगी। सनातनी होने, सनातनियों का संरक्षण करने का पाखंड करने वाले, आपराधिक मानसिकता के अपराधी नेताओं कोई है। सनातन का ब्रह्म वाक्य जिसका जन्म हुआ है मृत्यु अवश्य होगी के उपरांत भी, धर्म और राम मंदिर निर्माण के नाम पर पिछले 40 सालों से चंदा इकठ्ठा कर सनातन धर्म व उसके सनातनियों के संरक्षण की आड़ में, अपनी वाचालता से सत्ता हथिया कर, सत्ता में बैठने के साथ ही सबसे ज्यादा शोषण मौतों का तांडव सनातनियों का ही किया। सत्ता हथियाने के बाद विदेशी बहुराष्ट्रीय षड्यंत्रकारी कंपनियों मोटा चंदा जो की धंधा है व कमिशन खाकर सफाई कैशलेस नोटबंदी जीएसटी कोरोना की आड़ में यथार्थ में 30 करोड़ सनातनी लोगों को बेरोजगार किया गयाफर्जी कोरोना बीमारी की आड़ में 5 करोड़ सनातनियों की 24 घंटे टीवी मोबाइल समाचार पत्रों में डरा धमका करहत्या कर दी गई उसके बाद में टीका कंपनियों से सैकड़ों करोड़ का चंदा व कमिशन खाकर 8 करोड़ से ज्यादा सनातनियों की असंवैधानिक रूप से जबरदस्ती टीका ठोक कर अकाल मौत देने का तांडव किया गया पर चंदा लूटने और कमीशन खाने की हवस शांत नहीं हुई। चंदा और कमीशन वसूलने के लिए सरकारी संपत्तियों संस्थानों को कबाड़ के भाव बेच कर भी मोटा चंदा और कमीशन लूटा गया। बहुराष्ट्रीय कंपनियों को सस्ते मजदूर मिले, इसके लिए 58 श्रम कानूनों को खत्म कर पहले 30 और फिर 6 कानून बना दिए गए। पिछले 10 वर्षों में अपने विभिन्नचक बंद करने वालीसफाई कैशलेस नोटबंदी जीएसटी तालाबंदी से लगभग 10 करोड़ व्यवसायों उद्योगों रोजगारों को विभिन्न षड्यंत्रों के अंतर्गत खत्म कर की जो अपनी रोजी-रोटी का अपने ही धंधे पानी व्यवसाय उद्योगों से चलते थे 30 करोड़ को बेरोजगार कर भिखारी बना दिया गया। अब देश के 100 करोड़ लोग 1रु प्रति किलो के गेहूं रु. 2 प्रति किलो के चावल पर जो की सरकारी धन से बांटा जाता है। मजबूरी में अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अभी बहुराष्ट्रीय कंपनियां उनको न्यूनतम मजदूरी से कम के ठेके पर 10 से 12 घंटे मजदूरी करवा कर उनका शोषण कर रही है पर इसे सत्ताधीशों को कोई फर्क नहीं पड़ता। इसके साथ ही अपराधिक मानसिकता के नेता जो देश की सत्ता के उच्च व श्रेष्ठ पदों पर छल, बल से बैठे, परंतु देश की युवा पीढ़ी की बर्बादी और अपनी मोटी कमाई के लिए अपने पुराने नशे के व्यापार को त्याग में और भूलने की अपेक्षाउसे व्यवसाय को संरक्षित कर रहे हैं। क्योंकि वे अपनी शैशवावस्था से ही अपराधों वसूली में जुड़े रहे हैं। तो जाल अपराधियों से उम्मीद करना की उद्देश्य जनहित में कुछ सोचेंगे और करेंगे संभव ही नहीं। जो जिस वातावरण में बड़ा हुआ हो। और ब्लैकमेलिंग वाचलता से यहां तक पहुंच गया हो। भाई कैसेउसे कार्य को त्याग सकता है। उल्टे ही उम्र बढ़ाने के साथ उसमें मक्कारी धूर्तता बढ़ती है। वह सबको छल बल कपट से डरा धमका करअपने झूठ को छुपाने कर्मों को दबानेके लिएही दबावव नीतियां बनाते हैं।

विश्व खुशहाली रिपोर्ट

भारत 143 देशों में 126वें स्थान पर; पाकिस्तान, इराक़, फिलीस्तीन से भी पीछे

फिनलैंड लगातार सातवें साल दुनिया के सबसे खुशहाल देशों की सूची में शीर्ष पर है, जबकि अफ़गानिस्तान सूची में सबसे नीचे है.

भारत विश्व ख़ुशहाली रिपोर्ट 2024 में 143 देशों में 126वें स्थान पर है. इस विश्व ख़ुशहाली सूचकांक को संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस के अवसर पर बुधवार 20 मार्च को जारी किया गया था. पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह रिपोर्ट गैलप, ऑक्सफोर्ड वेलबीइंग रिसर्च सेंटर, यूएन सस्टेनेबल डेवलेपमेंट सोल्यूशंस नेटवर्क और डब्ल्यूएचआर के संपादकीय बोर्ड की साझेदारी में तैयार की गई है. रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ख़ुशहाली का स्तर पाकिस्तान, लीबिया, इराक, फिलिप्पीन और नाइजर से भी कम है.

फिनलैंड लगातार सातवें साल दुनिया के सबसे खुशहाल देशों की सूची में शीर्ष पर है. शीर्ष दस में अन्य देश डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन, इज़रायल, नीदरलैंड, नॉर्वे, लक्ज़मबर्ग, स्विट्ज़रलैंड और ऑस्ट्रेलिया हैं. अफगानिस्तान सूची में सबसे नीचे है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अधिक उम्र उच्च जीवन संतुष्टि से जुड़ी है, जो उन दावों का खंडन करता है कि उम्र और जीवन संतुष्टि के बीच सकारात्मक संबंध केवल उच्च आय वाले देशों में मौजूद है.

रिपोर्ट के अनुसार, औसतन भारत में वृद्ध पुरुष वृद्ध महिलाओं की तुलना में जीवन से अधिक संतुष्ट हैं, 'लेकिन अन्य सभी मानकों को ध्यान में रखें तो वृद्ध महिलाएं, वृद्ध पुरुषों की तुलना में जीवन से अधिक संतुष्ट हैं.'

अध्ययन से यह भी पता चला कि भारत में माध्यमिक या उच्च शिक्षा प्राप्त वृद्ध वयस्क और उच्च जातियों के लोग, बिना औपचारिक शिक्षा वाले और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लोगों की तुलना में जीवन से अधिक संतुष्ट हैं.

पीटीआई के मुताबिक रिपोर्ट में कहा गया है कि, 'भारत की वृद्ध आबादी संख्या के लिहाज से चीन के बाद दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है, जिसमें 60 और उससे अधिक उम्र के 14 करोड़ भारतीय शामिल हैं. चीन में यह संख्या 25 करोड़ है. इसके अतिरिक्त, 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के भारतीयों की औसत वृद्धि दर देश की समग्र जनसंख्या वृद्धि दर से तीन गुना अधिक है.'

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, 'हमने पाया कि वृद्ध पुरुष, जो उच्च आयु वर्ग में हैं, वर्तमान में विवाहित हैं, और जो शिक्षित हैं, अपने समकक्षों की तुलना में जीवन से अधिक संतुष्ट हैं, रहने की व्यवस्था के साथ कम संतुष्टि, कथित भेदभाव और अपने स्वास्थ्य को खराब मानना वृद्ध भारतीयों के बीच कम जीवन संतुष्टि से जुड़े महत्वपूर्ण कारक हैं.'

दुनिया के सबसे खुशहाल देशों की लिस्ट आ गई है। इस साल भी नॉर्डिक देश (उत्तरी यूरोप और अटलांटिक के देश) उच्चतम स्कोर के साथ सबसे खुश देशों में शामिल हैं। फिनलैंड को इस लिस्ट में एक बार फिर पहला नंबर मिला है। फिनलैंड लगातार सात सालों से खुशहाल देशों की रैंकिंग में टॉप पर कायम है।

इस साल की ये रिपोर्ट आयु समूह के आधार पर अलग-अलग रैंकिंग शामिल करने वाली पहली रिपोर्ट है। यह दुनिया के कुछ हिस्सों में युवाओं के बीच जीवन संतुष्टि के बारे में खराब स्थिति को भी उजागर करती है। यह रिपोर्ट 143 देशों के लोगों के वैश्विक सर्वेक्षण डेटा पर आधारित है। पिछले तीन वर्षों में उनके औसत जीवन मूल्यांकन के आधार पर देशों को खुशी के आधार पर रैंक किया गया है।

सीएनएन की खबर के मुताबिक, उत्तरी अमेरिका में युवाओं के बीच खुशी बहुत तेजी से कम हुई है। रिपोर्ट कहती है कि वहां के युवा अब बूढ़ों की तुलना में कम खुश हैं। इसने 2012 के बाद पहली बार अमेरिका को खुशहाल देशों की सूची में शीर्ष 20 से बाहर कर दिया है। अमेरिका दूसरे कुछ देशों की रैंक में गिरावट इसलिए भी हुई क्योंकि यूरोप के कई देशों ने इसमें बड़ी छलांग लगाई है। भारत की बात की जाए तो 143 देशों में भारत का स्थान 126वां है। बीते साल भी भारत इसी पोजीशन पर था।

दुनिया के सबसे खुशहाल और बदहाल देश

रिपोर्ट में फिनलैंड एक बार फिर दुनिया का सबसे खुशहाल देश है। फिनलैंड के बाद दूसरा नंबर डेनमार्क का है। आइसलैंड तीसरे और इस लिस्ट में स्वीडन चौथे नंबर पर है। इजराइल नंबर 5 पर है। नीदरलैंड नंबर 6, नॉर्वे नंबर 7 लक्जमबर्ग का नंबर 8) स्विट्जरलैंड नंबर 9) और ऑस्ट्रेलिया 10वें नंबर पर है। 11वें नंबर पर न्यूजीलैंड, 12वें पर कोस्टा रिका, 13वें पर कुवैत, 14वें पर ऑस्ट्रिया, 15वें पर कनाडा है। बेल्जियम 16वें, आयरलैंड 17वें, चेकिया 18वें पर, लिथुआनिया 19वें और यूनाइटेड किंगडम 20वें नंबर पर है। अमेरिका लिस्ट में टॉप-20 से बाहर होकर 23वें और जर्मनी 24 वें नंबर पर है। अमेरिका और कनाडा में, 30 वर्ष से कम उम्र के लोगों का खुशी स्कोर 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों की तुलना में नाटकीय रूप से कम था। 30 वर्ष से कम उम्र के लोगों में, अमेरिका 62वें स्थान पर है, जबकि 60 और उससे अधिक उम्र वालों के लिए यह 10वें स्थान पर है। कनाडा युवाओं में 58वें और 60 और उससे अधिक उम्र वालों के लिए 8वें स्थान पर है। सबसे कम खुशी वाले देशों में अफगानिस्तान दुनिया का सबसे निचले पायदान वाला देश बना हुआ है।

लेबनान, लेसोथो, सिएरा लियोन और कांगो भी निचले स्थानों पर हैं। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के वैंकूवर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्र के एमेरिटस प्रोफेसर और वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट के संस्थापक संपादक जॉन हेलिवेल ने कहा है कि सर्वेक्षण में प्रत्येक प्रतिभागी से उनके जीवन का समग्र मूल्यांकन करने के लिए कहा गया है, इस पर विचार करते हुए कि वे क्या महत्व देते हैं।

चीन ने फिर भूटान की सीमा पर कई गांव बसाकर किया खेल

पेज 1 का शेष

उल्लेखनीय है कि चीन ने 2017 में भूटानी सीमा से लगे डोकलाम पठार में एक सड़क बनाने का प्रयास करके भारत से दुश्मनी मोल ले ली थी। भारत ने वहां पर निर्माण का इसलिए विरोध किया क्योंकि डोकलाम ट्राइ जंक्शन पर निर्माण से भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बढ़ जाता है। यह क्षेत्र सिलीगुड़ी कॉरिडोर के एकदम नजदीक है जो पूर्वोत्तर क्षेत्र को शेष भारत से जोड़ने वाला अहम मार्ग है जिसे 'चिकन नेक' भी कहते हैं। डोकलाम विवाद में भूटान के प्रधानमंत्री की चीन संबंधी टिप्पणी ने भारत में चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्रीय विवाद का समाधान खोजने में चीन की हिस्सेदारी पर भूटानी प्रधान मंत्री का बयान नई दिल्ली के लिए गंभीर समस्याग्रस्त होने की संभावना है। डोकलाम में भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने होने के छह साल बाद, भूटान के प्रधान मंत्री ने कहा है कि उच्च ऊंचाई वाले पठार पर विवाद का समाधान खोजने में बीजिंग का भी बराबर का योगदान है, जिसके बारे में नई दिल्ली का मानना है कि चीन ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है।

बेल्जियन डेली ला लिब्रे के साथ एक साक्षात्कार में प्रधान मंत्री लोटे शेरिंग ने कहा, ''समस्या को हल करना अकेले भूटान पर निर्भर नहीं है।'' ''हम तीन हैं। कोई बड़ा या छोटा देश नहीं है, तीन समान देश हैं, प्रत्येक की गिनती एक तिहाई है।''

क्षेत्रीय विवाद का समाधान खोजने में चीन की हिस्सेदारी पर भूटानी प्रधान मंत्री का बयान नई दिल्ली के लिए गंभीर रूप से समस्याग्रस्त होने की संभावना है, जो पूरी तरह से डोकलाम में चीन के विस्तार का विरोध करता है क्योंकि पठार संवेदनशील सिलीगुड़ी गलियारे के करीब है। भूमि का वह संकीर्ण मार्ग जो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से अलग करता है।

अब, भूटान के प्रधान मंत्री कहते हैं, ''हम तैयार हैं। जैसे ही अन्य दो पक्ष भी तैयार होंगे, हम चर्चा कर सकते हैं।'' यह एक संकेतक है कि थिम्पू भारत, चीन और भूटान के बीच डोकलाम में ट्राइ-जंक्शन की स्थिति पर बातचीत करने को तैयार है, जो कि केंद्र में स्थित है विवाद।

मप्र महालेखाकार के भ्रष्ट संभागीय लेखाकार

भ्रष्टाचार रोकने की अपेक्षा बताते हैं कानून से बचने के तरीके

सच्चे काम के बिलों में 2% फर्जी में 30% तक कमीशन करते हैं हजम

प्रदेश के सभी कार्य विभागों में इसमें लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, ग्रामीण यांत्रिकीय आदि में भारत सरकार के कंप्ट्रोलर और ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया या भारत के महालेखाकार की राज्यों की ईकाईयों के राज्य महालेखाकार के कार्यालय से इन सभी विभागों के संभागीय कार्यालयों में केंद्र सरकार के के संभागीय लेखाकार की नियुक्ति की जाती है। क्योंकि यह नियंत्रण निगरानी करने के साथ वहां पर जनधन से किया जा रहे सभी कार्यों में ठेकेदारों के, व सभी प्रकार के कार्यों, कर्मचारी अधिकारियों के वेतन भत्ते भुगतानों में कानूनी औपचारिकताओं को पूरी कर भ्रष्टाचार तरीके से किया जाता है आपने देखा नर्मदा घाटी के 21 नंबर संभाग में आखिर एक बाबू ने जिसमें कार्यपालन यंत्री मंडलोई और वहां का डीए शामिल था। क्या सेक्टर कर्मचारियों के खाते से करोड़ो रुपए निकाल कर अपने खाते में अंतरित कर लिया। सब व अधिकांश कार्य विभागों में खाम की लेखाकार को सहायक लोक सूचना अधिकारी का प्रभार दिया जाता है। यह हरामखोर जालसाज जानकारियां देने की अपेक्षा कैसे ना देना है उसके तरीको पर काम करते हैं। अधिकांश अधिकांश संभागीय लेखाकार क्योंकि केंद्र सरकार से प्रतिनियुक्ति पर आए हुए होते हैं।

तो भारी अक्खड़पन श्रेष्ठता का भाव उनके व्यवहार में कूट-कूट कर भरा होता है। इसलिए यह हरामखोर किसी से सीधे मुंह बात करना पसंद नहीं करते। अधिकांश कार्य विभागो मे वर्तमान में अधिकांश कार्य विभागों में राज्य शासन की अपने ही विभाग के अधिकारियों से मोटी वसूली करने अपने ईशारो पर नचाने के लिए के लिए जानबूझकर प्रमुख अभियंता प्रधान सचिव से लेकर मुख्य मंत्रियों तक ने प्रभार दो प्रभार लो के नाम पर घर भ्रष्ट जालसाज और मूढ़ प्रकृति के कनिष्ठो को वरिष्ठ पदों पर बिना परीक्षा और प्रशिक्षण के प्रभार दे रखा है। दूसरी तरफ लगातार 34 साल से नियमित भर्तियां न करने के कारण चारों तरफ अर्थशास्त्र की विभाग में कर्मचारियों अधिकारियों की भारी कमी आने के साथ, कार्य का भार भी 3 से 10 गुना हो चुका है। फिर सप्ताह के 5 दिन में अधिकांश समय हर विभाग में मुख्यमंत्री से लेकर प्रधान सचिव, विभाग प्रमुख के साथ जिला स्तर पर समय सीमा की सभा मासिक प्रगति सभा, संभाग आयुक्त की सभा, और वर्तमान में चल रही चुनाव आचार संहिता के साथ चुनाव प्रबंधन की सभा में ही अधिकारियों के अधिकांश समय गुजर जाता है जिससे उन्हें समय न मिल पाने के कारण अधिकांश बिलों का भुगतान जांच पड़ताल नियम कानून आदि की जांच का कार्य संभागीय लेखाकार के पास ही होता है स्वाभाविक है, कि वह इन अधिकारों का अपनी शक्ति वह सामर्थ्य के अनुकूल अपनी वसूली के हिस्से को जो 2 से 20 30% तक हो सकता है। भरपूर करता है। देवास के जल संसाधन विभाग में बैठा हुआ संभागीय लेखाकार आदित्य डेविड वहां बैठे कार्य पालन यंत्री जादौन को भी क्योंकि उसके पास नर्मदा हाट पिपलिया जल उद् वहन परियोजना रुपए 6000 करोड़ से ज्यादा की है और पूर्व में भी अधिकांश सूचना के अधिकार में अपीलीय अधिकारी अधीक्षण यंत्री उज्जैन में स्पष्ट आदेश निशुल्क चाही गई जानकारी देने के दिए थे पर 5 से ज्यादा आवेदन में यह हरामखोर डेविड अपने कुकर्मों जालसाजियों भ्रष्टाचारों को बचाने जो उसने दतुनी, चंद्रकेशर पढ़-पड़ी बांध व उसकी नहरों के मरम्मत कार्यों स्तरहीन कार्य करके पैसा हजम किया इसलिए यह सुकरों की फौज उसकी नाक पुलिकाए

भुगतान बिल आदि की जानकारी देना नही चाहती। फिर जल उपभोक्ता समिति में बरसो से चुनाव नही हुए। उसकी मरम्मत व रख रखाव के लिए आवंटित धन उपयोग किए गए पानी की राजस्व आय और उसकी वसूली के संबंध में भी जानकारी मीना से लंबित होने के उपरांत भी जानबूझकर यह जालसाज डेविड देने की अपेक्षा उसमें हरामखोर बहाने लिख रहा है सूचना के अधिकार में भी इस जानी बदतमीज को स्पष्ट रूप से मांगी गई जानकारी भी समझ में नही आई उसके बारे में भी इसमें पत्र लिख दिया जब साधारण ढंग से लिखी स्पष्ट भाषा समझ में नही आई तो क्यों सरकार का और जनधन से लूट करुण का पैसा वेतन में ले रहा है नौकरी छोड़कर घर जाओ और कोई दूसरा काम कर। वसूली के मामले में तो हर भाषा बड़ी बारीकी से समझ में आ जाती है। और अपना कमीशन काटे व वसूले बिना बिल पास नही होते। ऐसे ही जल संसाधन संभाग शाजापुर में बैठा मनोज ज्ञानदीप भी भारी बदतमीज होने के साथ उसमें भी श्रेष्ठता का भारी गुरूर है। क्योंकि सभी डीए केंद्र सरकार द्वारा प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए होते हैं। इसलिए यह हरामखोर कभी भी 10:00 बजे से 6:00 बजे तक कार्यालय में उपस्थित ही नही होते न पूरे समय बैठते हैं। जल संसाधन संभाग धार में तो पदस्थ डीए को अधिकांश समय गायब ही देखा गया। यही हालत पूरे प्रदेश सभी लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, ग्रामीण यंत्रिकीय के संभागो में देखा गया है। वे संभागों में बैठकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए संभागीय यंत्रियो को अपनी तरह से हांक कर मोटा कमीशन वसूलते है।

बेशक मध्य प्रदेश महालेखाकार के कार्यालय में इनको पदस्थी देने वाला अधिकारी भी इनसे मोटी वसूली कर उनकी इच्छा के अनुसार जहां काम ज्यादा व कमाई का हिस्सा होता है। वहां पर ही इन्हें प्रतिष्ठित कर दिया जाता है। कई संभागीय लेखाकार जिसमें सं.ले. त्रिवेदी वर्तमान में इंदौर के लोनिवि के संभाग एक में है। पिछले 20 सालों से इंदौर उज्जैन कमिश्नरी के इंदौर और उज्जैन के लोनिवि संभागो में ही पदस्थ होता रहा है। इस श्रेणी में डीए अतुल श्रीवास्तव मिलन भी है। यह भी सूचना के अधिकार में जानकारी देने की अपेक्षाजिन्हें कानून संकाम करने कानून का पालन करनेके लिए बैठाया जाता है यही हरामखोर सूचना के अधिकार में आवेदन कीभाषा के अनुकूल जवाब देने की अपेक्षा एक मुश्त मोटी राशि की मांग कर आवेदकों को परेशान करते हैं।

प्रादेशिक अंकेक्षण व महालेखा का विभाग के अधिकारियों को अपने द्वारा प्रति नियुक्ति पर विभिन्न कार्य विभागों के संभागों में पदस्थ किए गए सभी संभागीय लेखाकारों के हर कार्य पर नजर रखनी चाहिए। उनके मोबाइल नंबरो पर निगरानी होनी चाहिए साथ ही उनके सहायक लोक सूचना अधिकारी रहते हुए उन्होंने कैसे आवेदन आए थे और क्या जवाब दिया कि संबंध में भी बारीकी से जांच पड़ताल और अंकेक्षण करना चाहिए ताकि मालूम पड़ सके कि यह कानून का पालन करने नही वरन अपनी मोटी वसूली और अपने भ्रष्टाचार को बचाने कानून का मजाक उड़ते बैठे रहकर शासकीय सुविधाओं का भोग करते हुए भ्रष्टाचार को पालने का कार्य करते हैं। बेशक यह शिकायत प्रदेश महालेखाकार के साथ दिल्ली के अंकेक्षण व महालेखाकार विभाग को भी भेजी जाएगी।

और अब 5000 करोड़ का फिर से कर्ज...

पेज 1 का शेष

अधिकांश विभागों के ठेकेदारों के हजारों करोड़ के बिल भुगतान करने की स्थिति में नहीं होने के बावजूद भी इलेक्टोरल बांड में पैसा खर्च कर मोटी दलाली देकर बर्बाद ठेके देने का षड्यंत्र अनवरत जारी है अकेले मेघा इंजीनियरिंग व इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड हैदराबाद जिसने 1200 करोड़ से ज्यादा का इलेक्टरल बांड का चंदा देने वाली कंपनी के पास प्रदेश में ही विभिन्न विभागों जिसमें नर्मदा घाटी का नर्मदा काली सिंध प्रोजेक्ट निगमो पालिकाओं लोक स्वास्थ्य यंत्र की जल संसाधन विभाग लोक निर्माण विभागमें चल रहे हैं और पूरे देश में लगभग चार लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रोजेक्ट मेघा इंजीनियरिंग के पास में जिसका नाम नही आया पर उसके पास मे भी मध्य प्रदेश में ही नर्मदा घाटी में ही हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट है साथ ही पिछले 3 महीने से लगातार हर दिन आचार संहिता के पहले हजारों करोड़ के बड़े-बड़े परियोजनाओं के उद्घाटन विज्ञापन छपे जा रहे थे जबकि प्रदेश की आर्थिक स्थिति अत्यधिक कंगाली होती जा रही है इन हरामखोर साजो को प्रदेश को प्रदेश की जनता को लूटने से मतलब है। मध्य प्रदेश सरकार एक बार फिर कर्ज लेने की तैयारी में है, लोकसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान हो चुका है, इसी के साथ आचार संहिता भी लागू है. इसी बीच सरकार एक बार फिर कर्ज ले रही है. जानकारी के मुताबिक यह कर्ज 26 मार्च को लिया जाएगा. राज्य सरकार रिजर्व बैंक की मुंबई शाखा से 5 हजार करोड़ का कर्ज ले रही है. बताया जा रहा है कि यह कर्ज तीन हिस्सों में लिया जाएगा. वहीं इस बीच मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कर्ज लेने पर कहा कि ऐसी कौन सी प्रदेश सरकार है जो कर्ज नहीं लेती? कर्ज लेना कोई बुरी बात नहीं है कर्ज समय पर चुकाना, ब्याज चुकाना और भी नियम है, प्रक्रिया है. उन्होंने कहा, 'हमने कर्ज लिया है तो कर्ज लेकर डेवलपमेंट किया है, सड़कों का जाल बिछाया है. कांग्रेस से हमने विधानसभा में भी पूछा था कि आपने कर्ज लेकर क्या घी पीने का काम किया है? दिग्विजय सिंह 10 साल बैठे, कमलनाथ 15 महीने सरकार में रहे हैं, इसका फैसला मध्य प्रदेश की जनता करेगी.'

तीन हिस्सों में लिया जाएगा कर्ज

बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार रिजर्व बैंक के मुंबई कार्यालय के माध्यम से 26 मार्च को तीन हिस्सों में कर्ज ले रही है. पहला कर्ज 20 साल के लिए दो हजार करोड़ रुपये का होगा. इसी तरह दो हजार करोड़ का दूसरा कर्ज 21 साल के लिए और एक हजार करोड़ रुपये का तीसरा कर्ज लिया जाएगा जो 22 साल में चुकाया जाएगा. तीनों ही कर्ज पर साल में दो बार ब्याज का भुगतान किया जाएगा.

प्रदेश के ऊपर करीब पौने 4 लाख करोड़ का कर्ज

एक तरफ मध्य प्रदेश के ऊपर लगातार कर्ज बढ़ता ही जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ सरकार का यह दावा है कि राज्य के पास फंड की कमी नहीं है. बता दें कि मध्य प्रदेश की नई नवेली मोहन सरकार ने तीन माह के कार्यकाल में अब तक 15 हजार 500 करोड़ का कर्ज लिया है. वहीं वर्तमान वित्त वर्ष की बात की जाए तो राज्य सरकार अब तक कुल 37 हजार 500 करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी है. इस नए कर्ज के साथ ही यह आंकड़ा 42 हजार करोड़ रुपये से पार चला जाएगा. वहीं इस साल यानी की 2024 की बात करें तो 23 जनवरी को सरकार ने 2500 करोड़, छह फरवरी को 3 हजार करोड़, बीस फरवरी को 5 हजार करोड़, और 27 फरवरी को 5 हजार करोड़ का कर्ज ले चुकी है. मार्च 2023 की स्थिति के अनुसार बात करें तो मध्य प्रदेश के ऊपर 3 लाख 31 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है. वहीं अब का कुल हिसाब-किताब लगाया जाए तो प्रदेश के ऊपर 3 लाख 70 हजार करोड़ रु. से ज्यादा का कर्ज हो गया है.

होली मौजमस्ती का त्योहार है. इसे ले कर बच्चों, बूढ़ों, युवाओं सभी में उत्साह रहता है. पर कुछ लोग रंगों के डर से घर में छिप कर बैठ जाते हैं, जो ठीक नहीं होता. वर्ष में एक बार आने वाले इस पर्व का मजा तभी है, जब सभी एक-दूसरे को रंगों से सराबोर करें. अगर आप को होली के रंगों से डर लगता है तो थोड़ी सी सूझबूझ से आप होली को सुरक्षित बना सकते हैं. यह तो देखना ही चाहिए कि जिन रंगों से हम होली खेलते हैं, क्या वे सेहत के लिए सुरक्षित भी हैं? कहीं वे सेहत को नुकसान तो नहीं पहुंचाएंगे?

इस तरह रंगों को छुड़ाएं

> होली के रंगों में सराबोर होने से डर लगता है, तो थोड़ी सी सूझबूझ से आप होली को सुरक्षित बना कर उस का मजा ले सकते हैं...

- जब भी कोई आप के बालों या शरीर पर सूखा रंग डाले, तुरंत उसे झाड़ दें ताकि वह शरीर के संपर्क में ज्यादा देर न रहे.
- गीले रंग को भी यदि तत्काल सूखे कपड़े से पोंछ लिया जाए तो उस का असर कम होता है और वह जल्दी छूट जाता है.
- गुलाल को कभी पानी से न धोएं अन्यथा वह आप को रंगना शुरू कर देगा. बेहतर यही होगा कि उसे सूखे कपड़े से झाड़ लें. सिर में गुलाल पड़ा हो तो कंघी कर लें और फिर शैंपू से धो लें.
- रंग छुड़ाने के लिए मिट्टी के तेल, चूने के पानी आदि का इस्तेमाल न करें. उसे साबुन, पानी और उबटन से ही छुड़ाएं.
- गरम पानी के बजाय ठंडे पानी का इस्तेमाल करें, क्योंकि गरम पानी से रंग पक्के हो जाते हैं.
- रंग छुड़ाने के लिए घटिया डिटरजैंट का इस्तेमाल भी ठीक नहीं, क्योंकि इस से त्वचा छिल सकती है.
- रंग छुड़ाने के लिए नहाने वाले किसी भी साबुन का इस्तेमाल करें. साबुन से उत्पन्न झाग को कपड़े से पोंछते जाएं. इस से रंग कपड़े पर उतर जाएगा और शरीर पर लगा रंग हलका होता जाएगा. कभी भी खुरदरे पत्थर आदि का इस्तेमाल न करें अन्यथा त्वचा छिल जाएगी.
- रंग छुड़ाने का आसान तरीका है नारियल के तेल में रुई को भिगो कर उस से धीरेधीरे रंग छुड़ाएं. ऐसा करने से जलन भी नहीं होगी.
- यदि त्वचा पर गहरा रंग लगा है तो बेहतर होगा कि पहले नीबू से त्वचा को साफ कर लें, फिर उबटन लगाने से रंग छूट जाएगा.
- बालों के रंग निकालते समय गरदन को इस प्रकार रखें कि रंग शरीर के अन्य हिस्सों पर न पड़े.
- यदि नाखूनों के भीतर रंग चढ़ जाए तो उस जगह नीबू को रगड़ें.
- रंग छुड़ाने के बाद त्वचा में जलन न हो, इस के लिए दूध व हलदी का लेप लगा लें.
- रंग छुड़ाने के बाद हलकी सी जलन महसूस हो तो गिलसरीन में गुलाबजल मिला कर जलन वाली जगह पर कुछ देर लगाएं और फिर थोड़ी देर बाद कुनकुने पानी से धो लें.
- यदि एक बार में रंग न निकले तो परेशान न हों. 1-2 दिन में निकल जाएगा. एक बार में ही सारा रंग निकालने की कोशिश त्वचा पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी.

मल दे गुलाल मोहे, आई होली आई रे... अजी होली तो अब दरवाजे पर खड़ी है और दरवाजे के पीछे छिपे आपके दोस्त-यार और मस्तीखोरों की टोली हथेली पर रंग लगाए और हरे, नीले रंग के पानी की बाल्टी छिपाए इंतजार कर रही है. ऐसे में आप भले ही घर के किसी भी कोने में छिप जाएँगे पर इनसे बचकर कहाँ जाएँगे?

रंगों की मस्ती

तो दोस्तों तैयार हो जाइए होली के रंग में रंगने के लिए, लेकिन कहीं होली के दिन गालों पर लगा रंग-गुलाल महीनों तक आपकी परेशानी का सबब न बन जाए, दोस्तों, अगर सिंथेटिक रंग से आपको त्वचा या शरीर को किसी प्रकार का नुकसान पहुँचा तो मौज-मस्ती का सारा रंग फीका पड़ जाएगा. सवाल है कि विकल्प क्या है?

सिंथेटिक रंगों के रासायनिक तत्वों से बचने के लिए आमतौर पर चिकित्सक प्राकृतिक रंगों के उपयोग की सलाह देते हैं लेकिन या तो प्राकृतिक रंग बाजार में हर जगह उपलब्ध नहीं होते या फिर जेब पर भारी पड़ने की वजह से इन्हें खरीदने से हम बचते हैं. तो क्यों न इस होली पर हम अपने मनपसंद रंग अपने ही घर में बना लें.

हरा रंग हरियाली का

आमतौर पर घरों में मेहंदी तो होती ही होगी. तो बराबर मात्रा में मेहंदी और हिना को मिला लें. गीला करना हो तो इसमें सिर्फ थोड़ा-सा पानी या चाय पत्ती उबालकर साफ किया हुआ पानी मिला लें. अगर हरा रंग अधिक गाढ़ा करने का मन हो तो उसमें धनिया पत्ता, पुदीना, टमाटर आदि में से कुछ भी मिलाया जा सकता है. हरा रंग तैयार हो जाएगा. ध्यान रखें कि मेहंदी हाथों पर लगाने वाली हो (यानी आँवला रहित हो). जनाब, मेंहदी का रंग कम से कम हफ्ते भर तक तो उतरने से रहा. कह सकते हैं कि लगे हर न फिटकरी, रंग भी चोखा होय.

मस्ती में घुल जाए पीला रंग

होली पर अगर आप अपने दोस्त या प्रियजन को रंग लगाएँ और उसकी त्वचा कुछ दिनों बाद और भी निखर जाए तो रंग की दमक दोगुनी हो जाएगी. हल्दी और बेसन से तैयार किए गए पीले रंग की भी ऐसी ही कुछ बात है. सामान्य या कस्तूरी हल्दी में बेसन, मैदा, आटा या टेलकम पावडर मिलाकर सूखा रंग तैयार किया जा सकता है. आप इस मिश्रण में थोड़ा-सा पानी मिलाकर उबाल दें और फिर ठंडा कर लें तो गीला रंग. हाँ, अगर हल्दी के इस सूखे रंग में गेंदे के फूल या अमलतास के फूलों की पंखुड़ियाँ मिला दी जाएँ तो बात ही क्या होगी.

प्यार का लाल रंग प्रिय के संग

प्यार और सौहार्द बढ़ाने का रंग है लाल. इसे घर पर बनाकर क्यों न होली पर प्यार के इस रंग को और गहरा कर दिया जाए. लाल चंदन पावडर या रक्त चंदन का उपयोग लाल गुलाल की जगह किया जा सकता है. अगर घर के आसपास गुड़हल का पेड़ हो तो गुड़हल के फूलों को सुखाकर उनका पावडर भी बना सकते हैं. गीला रंग बनाने के लिए लाल चंदन में पानी मिलाकर घोल तैयार किया जा सकता है या फिर अनार के दानों को पानी में उबालकर भी रंग तैयार कर सकते हैं.

होली त्योहार है मौजमस्ती का, रंगों से सराबोर होने का. इसकी मस्ती बरकरार रखने के लिए जरूरी है कि इसे सही ढंग से खेला जाए. होली खेलने से पहले ही कुछ एहतियात बरतें, जिससे आपकी त्वचा को कोई नुकसान न पहुँचे.

होली खेलने से पहले बरतें सावधानियां

पहले जमाने में लोग टेसू और प्राकृतिक रंगों से होली खेलते थे. अब रासायनिक रंगों का इस्तेमाल किया जाने लगा है, जो कि त्वचा के लिए नुकसानदायक होते हैं. ऊपर से इसमें सफेदा, वार्निश, पिसा कांच, पेंट, ग्रीस, तारकोल आदि मिला देने से खुजली और एलर्जी होने की आशंका बढ़ जाती है. इसलिए होली खेलने से पहले निम्न सावधानियां बरतें-

होली खेलने से पहले शरीर के खुले हिस्सों पर वैसलीन, तेल या कोल्ड क्रीम लगाएँ. सरसों का तेल, ऑलिव ऑइल या नारियल का तेल लगाने से त्वचा पर रंगों की पकड़ हल्की रहती है. नाखूनों को होली के रंगों से बचाने के लिए उन पर नेलपालिश लगा लें. हो सके तो रंग खेलने से पहले नाखून काट लें.

बहुधा होली के दिन लोग पुराने कपड़े पहनते हैं, पर कपड़े इतने पुराने भी न हों कि खींचतानी में उनकी सिलाई उखड़ जाए या फट जाए. सलवार-कमीज, जींस-पैंट जैसे पूरे बदन को ढँकने वाले कपड़े ही पहनें. इससे काफी हद तक शरीर का रंगों से बचाव हो जाता है. गहरे रंगों वाले कपड़े पहनें. सफेद या हल्के रंग के कपड़े पानी में भीग कर पारदर्शी हो जाते हैं. विशेषकर महिलाएँ इन बातों का जरूर ध्यान रखें.

होली खेलने से पहले आभूषण अवश्य उतार दें. होली की छेड़छाड़ में आभूषणों के गिरने की संभावना रहती है. बालों पर तेल लगा लें. महिलाएँ तेल डालकर बालों का जूड़ा बाँध लें ताकि रंग बालों के अंदर न जाए.

होली पर खूब होता है तंत्र विद्या और टोटकों का प्रयोग

किसी भी त्योहार पर जादू-टोने और तंत्र विद्या का प्रयोग बढ़ जाता है। होली पर भी कई लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। इसलिए जरूरी है कि इनसे बचने के उपाय मालूम हों। होलिका दहन और होली के दिन इन टोटकों के प्रभाव से दूर रहने के लिए जानिए क्या करना चाहिए।

- होलिका दहन वाले दिन सफेद खाद्य पदार्थों के सेवन से बचना चाहिए। सफेद चीजों का इस दिन तंत्र विद्या में बहुत प्रयोग होता है।

- उतार और टोटके का प्रयोग सिर पर जल्दी होता है, इसलिए सिर को टोपी या कपड़े से ढंके रहें।

- इस दिन लोगों को अपने कपड़े का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि टोटकों में कपड़ों का प्रयोग किया जात है।

- होलिका दहन वाले दिन काले कपड़े में काला तिल बांधकर अपने पास रखें, फिर रात को उसे हेलिका में डाल दें। इससे बुरी नजर दूर रहेगी।

होली के टोटके करने से दूर होगी आर्थिक तंगी और अन्य ये सब समस्या

जब भी आप होली का नाम सुनते है तो आपके दिल में रंगों का ख्याल आने लग जाता हैं। क्योंकि होली है ही रंगों का त्यौहार। जो की साल में एक बार आता हैं। इसलिए इसका महत्व कुछ ज्यादा ही बढ़ जाता हैं। होली का उत्सव फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष में पूर्णिमा के दिन मनाया जाता हैं। इस दिन होलिका दहन किया जाता है और इसके अगले दिन होली खेली जाती हैं यानी की धुलण्डी आती हैं।

क्या आप जानते हो की होली के दिन आप कुछ उपाय करके अपने जीवन में आने वाली कुछ परेशानी को बड़ी आसानी से मुक्ति पा सकते हैं। इस बात का ध्यान रखते हुए हम आपको यंहा होली के टोटके बताते जा रहे हैं। बताये जा रहे होली के टोटके को आपको होली वाले दिन ही करने होंगे। हमारे द्वारा बताये जा रहे प्रदत्त ख ईा ऊदूब को पढ़कर आप होली के दिन अपनी कुछ परेशानी को दूर कर सकते हैं।

1. जिस भी जातक को किसी ना किसी कारण से बार बार आर्थिक हानि हो रही है तो वह जातक बताये जा रहे होली के टोटके के अनुसार होलिका दहन वाली शाम को अपने मुख्य द्वार पर आटे का दोमुखी दीपक बनाकर थोड़ा सा गुलाल छिड़क कर उस दीपक में तेल भर कर गुलाल पर रख दे! दीपक जलाते समय मन ही मन में हो रही धन हानि की प्रार्थना करें जब दीपक ठंडा हो जाये तो उसे जलती होलिका में रख आये ऐसा करने से हो रही बार बार धन हानि व आर्थिक हानि रुक व दूर हो जाएगी !

2. जिस भी जातक की आर्थिक स्थिति खराब हो रही हो तो होली के टोटके को श्री के अनुसार जातक को होली के दिन एकाक्षी नारियल पर सिंदूर, धूप, दीप, नैवेद्य चढ़ा कर लाल वस्त्र में बांधकर माता श्री लक्ष्मी से प्रार्थना करे, उस दिन के बाद से लगातार श्री माँ लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें व एकाक्षी नारियल को अपने व्यवसाय स्थल पर रख दे ! ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति सही होने लग जाएगी!

कर्ज से मुक्ति के होली के टोटके

जो भी जातक लगातार किसी भारी कर्जे से परेशान है तो वह जातक बताये जा रहे होली के टोटके के के अनुसार होली के दिन एक सियार सिंगी को लाकर उसे एक चांदी की डिब्बी में रख ले उसके बाद आने वाले प्रत्येक पुष्य नक्षत्र के दिन उसे सिंदूर चढ़ाते रहे ! ऐसा करने से जातक को बहुत जल्द भारी से भारी कर्ज से मुक्ति मिल जाएगी !

गृह क्लेश के होली के टोटके

जिस भाई जातक के घर ज्यादातर किसी ना किसी बात पर परिवार जनो के अन्दर लड़ाई होती रहती है तो वह जातक प्रदत्त ख ईा ऊदूब के अनुसार होलिका दहन वाले दिन आटा व जौ को होलिका में चढ़ा कर आ जाएगी ऐसा करने से घर में होने वाले क्लेश से मुक्ति मिलेगी !

दरिद्रता निवारण के लिए होली के टोटके

जिस भी घर के अन्दर गृह क्लेश बहुत होता हो या घर में दरिद्रता का वास हो गया है तो बताये गए होली के टोटके के अनुसार होली से पांच दिन पूर्व एक वास्तु यन्त्र लाकर उस पर केसर से घर के सब सदस्य का नाम लिख ले ! उसके बाद नीचे दिए गये मंत्र का रोज़ाना 11 या 21 बार बार जाप करें ! उसके बाद होली वाले दिन इस यन्त्र को होली की अग्नि में डाल आये ! बताये अनुसार होली के टोटके को करने से गृह क्लेश व दरिद्रता से आपको मुक्ति मिल जाएगी! मंत्र : 'बगलामुखी सर्वदुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय जिह्वां कीलय बुद्धिं नाशय नमः'। नियम व श्रद्धा का होना आवश्यक है।

शत्रु नाश के लिए होली के टोटके

1. जिस भी जातक को शत्रु पक्ष से परेशानी हो रही हो तो वह जातक अपने शत्रु पर विजय प्राप्त करना चाहता है तो बताये जा रहे प्रदत्त ख ईा ऊदूब के अनुसार होली के पांच दिन पूर्व एक कागज पर हल्दी से नीचे दिया हुआ मंत्र लिखकर माँ बगलामुखी जी का ध्यान करते हुए उसे उसी कागज में मौली से बांध दे ! उसके बाद नीचे दिए गये मंत्र का 41 बार जाप करें !

ऐसा आप होली तक लगातार करें ! होली वाले दिन इस कागज को अपने पास वाले श्री दुर्गा माँ के मंदिर में जाकर चढ़ा दे ! इस होली के टोटके को करने से आपको अपने शत्रु पर विजय की प्राप्ति होगी ! मंत्र: ' बगलामुखी सर्वदुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय जिह्वां कीलय बुद्धिं नाशय नमः'। नियम व श्रद्धा का होना आवश्यक है।

2. जिस भी जातक को शत्रु से कोई ना कोई परेशानी रहती है या शत्रु बाधा करते रहते है वह जातक होली के टोटके के अनुसार होली दहन के समय 7 गोमती चक्र लेकर अपने इष्ट देव व भगवान श्री हनुमान जी से प्रार्थना करें कि हमारे जीवन में हो रही शत्रु बाधा से हमारी रक्षा करें ! उसके बाद गोमती चक्र होली दहन में डाल दे ! ऐसा करने से आपके जीवन में शत्रु से बाधा से मुक्ति मिल जाएगी !

मुकदमे में विजय के होली के टोटके

1. जिस भी जातक को झूठे मुकदमे के कारण परेशानी हो रही हो तो वह जातक मुकदमे में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो प्रदत्त ख ईा ऊदूब के अनुसार होली के पांच दिन पूर्व एक कागज पर हल्दी से नीचे दिया हुआ मंत्र लिखकर माँ बगलामुखी जी का ध्यान करते हुए उसे उसी कागज में मौली से बांध दे! उसके बाद नीचे दिए गये मंत्र का 41 बार जाप करें!

ऐसा आप होली तक लगातार करें ! होली वाले दिन इस कागज को अपने पास वाले श्री दुर्गा माँ के मंदिर में जाकर चढ़ा दे ! इस होली के टोटके को करने से आपको मुकदमे में सफलता की प्राप्ति होगी! मंत्र: ' बगलामुखी सर्वदुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय जिह्वां कीलय बुद्धिं नाशय नमः'। नियम व श्रद्धा का होना आवश्यक है।

2. जिस भी व्यक्ति के झूठा मुकदमा चल रहा हो तो वह जातक बताये जा रहे होली के टोटके के अनुसार होलिका दहन के बाद बेला से राख ले आये उसके बाद उस राख की स्याई बनाये ! उस स्याई से कील या सिलाई की सहायता से एक सफ़ेद कागज पर अपना मुकदमा नंबर और अपने शत्रु का नाम लिख उसके बाद उस कागज को वापस से होलिका दहन वाले स्थान में डाल कर हाथ जोड़कर अपने ऊपर चल रहे मुकदमे में विजय के लिए प्रार्थना करें ! होली के टोटके को करने से जातक को मुकदमे में सफलता मिल जाएगी!

3. होली के दिन होलिका की राख ला कर उसकी स्याही बना कर लोहे की कील या सिलाई से एक साफ़ सफेद कागज पर अपना मुकदमा नम्बर और शत्रु का नाम लिखकर दोबारा जाकर होलिका में डाल दे और हाथ जोड़कर मन ही मन अपनी विजय के लिए प्रार्थना करें। इस होली के टोटके को करने से आपको अवश्य ही सफलता मिलेगी। ध्यान रहे यह क्रिया बिलकुल चुपचाप करें।

जल्दी विवाह होने के होली के टोटके

जिन भी जातक की शादी में देरी हो गई है या शादी में कोई ना कोई परेशानी आ रही है तो इस होली के टोटके के अनुसार जातक को होली वाले दिन सुबह नित्य कर्म से निवृत होने के बाद अपने घर के पास वाले श्री शिव मंदिर में एक साबूत पान का पत्ता पर साबूत सुपारी एवं हल्दी की गांठ शिवलिंग पर श्रद्धा के साथ चढ़ा दे उसके बाद यही क्रिया होली के अगले दिन भी करे पर जातक एक बात का ध्यान रखे की मंदिर से आते समय किसी से बातचीत व पीछे मुड़ कर भूलवश भी ना देखे ! ऐसा करने से आपका विवाह बहुत जल्द हो जायेगा!

धन बचाने के होली के टोटके

जिस भी जातक के बिना काम के रूपये खर्च होते रहते है वह अपनी बचत नही कर पाता हो तो वह जातक होलिका दहन के दूसरे दिन होलिका दहन की बची राख को लाकर किसी लाल रूमाल में बांधकर उस रुमाल को अपनी तिजोरी या पर्स में रख ले ! इस होली के टोटके के अनुसार ऐसा करने से जातक का धन खर्च होना बंद हो जायेगा !

धन लाभ होली के टोटके

जिस भी जातक को धन लाभ होने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो वह जातक बताये जा रहे होली के टोटके के अनुसार होली वाले दिन एक नए लाल कपड़े में लाल गुलाल को बांधकर (पोटली बना कर) किसी तिजोरी में अपनी दुकान या घर की तिजोरी में स्थापित कर ले ! ऐसा करने से जातक के जीवन में धन लाभ की प्राप्ति होने लग जाती है !

दुर्घटना से बचने के होली के टोटके

1. जिस भी जातक की ज्यादातर बचाव करने के बाद भी कोई ना कोई दुर्घटना होती रहती है तो वह जातक इस प्रदत्त ख ईा ऊदूब के अनुसार होलिका दहन होने से पूर्व पांच काली गुंजा लेकर होली की पांच परिक्रमा लगाकर अंत में होलिका की ओर पीठ करके पाँचो गुंजाओं को सिर के ऊपर से पांच बार उतारकर सिर के ऊपर से होली में फेंक दे ! होलिका दहन करते समय नीचे दिए गये मंत्र का जाप 11 बार करना चाहिए! होली के बाद भी प्रातःकाल इस मंत्र का ग्यारह बार जप अवश्य करना चाहिए !
2. उसके बाद होली के दिन से कभी ऐसे व्यक्ति से कोई भी वस्तु ना ले जो आपसे द्वेष भाव रखते है ! किसी भी व्यक्ति का कोई पहना हुआ कपड़ा या रुमाल ना ले ! और ना ही किसी शत्रु से पान, इलायची व लौंग आदि वस्तु न ले ! इस होली के श्री टोटके को करने से आपके जीवन में हो रही बार बार दुर्घटना से मुक्ति मिल जाएगी ! मंत्र : 'देहि सौभाग्यमारोग्यं, देहि मे परमं सुखं । रूपं देहि, जयं देहि, यशो देहि, द्विषो जहि'।।

जादू टोने से मुक्ति के होली के टोटके

यदि आपके ऊपर या आपके किसी परिवार के सदस्य के ऊपर किसी ने कोई भी और कैसी भी अभिचार कर्म कर रखा है तो होलिका दहन के समय दो फूलदार लौंग देसी घी में भिगो कर एक बताशा व पान का पत्ता होलिका को प्रार्थना सहित अर्पित करें अगले दिन होली की थोड़ी सी राख लेकर हल्के हाथ से शरीर पर लगाये तथा एक घंटे बाद गर्म पानी से नहा लें। इस प्रदत्त ख ईा ऊदूब के अनुसार ऐसा करने से आपके ऊपर किये गये टोने टोटके दूर हो जायेंगे !

सुख-समृद्धि बढ़ाने के होली के टोटके

जिस भी जातक को अपने घर में सुख-समृद्धि बढ़ाना चाहते हो तो घर के प्रत्येक सदस्य को होलिका दहन में देशी घी में भिगोई हुई दो लौंग, एक बताशा और एक पान का पत्ता अवश्य चढ़ाएं ! और उसके बाद होली की ग्यारह परिक्रमा करते हुए होली में सूखा नारियल की आहुति देनी चाहिए ! इस प्रदत्त ख ईा ऊदूब के अनुसार ऐसा करने से आपके घर में सुख-समृद्धि बढ़ती लगेगी !

किसने, किसे और कितना चंदा दिया?

देखें चुनावी बॉन्ड खरीदने और भुनाने वालों की पूरी सूची

देश में इन दिनों चुनावी बॉन्ड का मुद्दा गरमाया हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने चुनावी बॉन्ड से जुड़ा डेटा प्रकाशित कर दिया है। पिछले दिनों चुनाव आयोग ने पुराने आंकड़ों से अधिक विवरण साझा किए। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से मिले नए आंकड़ों में चुनावी बॉन्ड के खरीदार का नाम, भुनाने वाली पार्टी का नाम और बॉन्ड के सीरियल नंबर जैसी डिटेल भी शामिल है।

इससे पहले विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा सौंपे गए सैकड़ों सीलबंद लिफाफों का खुलासा किया गया था। इस खुलासे में चुनाव आयोग ने बताया था कि किस पार्टी ने कितने चुनावी बॉन्ड भुनाए हैं और ये उन्हें किस-कंपनी या व्यक्ति ने दिए थे।

टॉप तीन दानकर्ता

फ्यूचर गेमिंग

एसबीआई द्वारा प्रस्तुत किए गए डेटा के जरिए चुनाव आयोग ने बताया है कि चुनावी बॉन्ड का सबसे बड़ा खरीददार फ्यूचर गेमिंग कंपनी है। 'लॉटरी किंग' सैंटियागो मार्टिन के स्वामित्व वाली कंपनी ने सबसे ज्यादा 1,368 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे थे। कंपनी तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके के लिए सबसे बड़ा दानदाता बनकर उभरी।

फ्यूचर गेमिंग ने डीएमके को 509 करोड़ रुपये दिए। इसके बाद आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को लगभग 160 करोड़ रुपये, भाजपा को 100 करोड़ रुपये और कांग्रेस को 50 करोड़ रुपये दिए गए।

मेघा इंजीनियरिंग

दूसरा सबसे बड़ा दानकर्ता हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा लिमिटेड है। इसने विभिन्न दलों को 966 करोड़ रुपये दिए हैं। कंपनी ने भाजपा को लगभग 586 करोड़ रुपये की सबसे अधिक राशि का दान दिया। मेघा इंजीनियरिंग समूह से बीआरएस को 195 करोड़ रुपये, डीएमके को 85 करोड़ रुपये और वाईएसआर कांग्रेस को 37 करोड़ रुपये, टीडीपी को करीब 25 करोड़ रुपये और कांग्रेस को 17 करोड़ रुपये मिले।

क्विक सप्लाई

राजनीतिक दलों के तीसरे सबसे बड़े दानदाता में क्विक सप्लाई का नाम आता है। इसने 2021-22 और 2023-24 के बीच 410 करोड़ रुपये के बांड खरीदे थे। इसने भाजपा को सबसे ज्यादा 395 करोड़ रुपये का दान दिया। इसके बाद शिवसेना को 25 करोड़ रुपये दिए गए।

टॉप तीन प्राप्तकर्ता

भाजपा

चुनावी बॉन्ड की सबसे बड़ी लाभार्थी केंद्र की सत्ताधारी पार्टी भाजपा रही है। पार्टी को चुनावी बॉन्ड के जरिए पिछले चार वर्षों में 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का दान मिला है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, चुनावी बॉन्ड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने भाजपा को लगभग 586 करोड़ रुपये की सबसे अधिक राशि का दान दिया।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग ने भाजपा को 584 करोड़ रुपये, क्विक सप्लाई ने 395 करोड़ रुपये, वेदान्ता ने 226 करोड़ रुपये और फ्यूचर गेमिंग ने 100 करोड़ रुपये का दान दिया। भाजपा को कोलकाता में एक ही पते वाली तीन फर्मों- केवेंटर्स फूड पार्क, एमकेजे एंटरप्राइजेज और मदनलाल लिमिटेड से भी 346 करोड़ रुपये मिले।

तृणमूल कांग्रेस

चुनाव आयोग के डेटा के मुताबिक, 'लॉटरी किंग' सैंटियागो मार्टिन की फ्यूचर गेमिंग द्वारा दिए गए दान की सबसे बड़ी लाभार्थी तृणमूल कांग्रेस रही। पार्टी को फ्यूचर गेमिंग से कम से कम 540 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड मिले। इसके अलावा पार्टी को वेदांता समूह, बायोकॉन प्रमुख किरण मजूमदार शॉ, रुंगटा संस प्राइवेट लिमिटेड, फार्मास्युटिकल कंपनी नैटको फार्मा से भी चंदा मिला।

कांग्रेस

125 करोड़ रुपये के दान के साथ वेदांता समूह कांग्रेस के लिए प्रमुख योगदानकर्ता था। फ्यूचर गेमिंग ने देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को 50 करोड़ रुपये दिए। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से कांग्रेस को 17 करोड़ रुपये मिले।

विपक्षी दल को वेस्टर्न यूपी पावर एंड ट्रांसमिशन, एमकेजे एंटरप्राइजेज और यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, भारती एयरटेल, अपोलो टायर्स, केवेंटर्स, रुंगटा संस प्राइवेट लिमिटेड और टोरेंट फार्मास्युटिकल लिमिटेड से योगदान मिले। बायोकॉन प्रमुख किरण मजूमदार शॉ से भी पार्टी को चंदा मिला।

इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए योगदान देने वाले बड़े दानकर्ता-

फ्यूचर गेमिंग और होटल सर्विसेज - 1,368 करोड़ रुपये
मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड- 966 करोड़ रुपये
क्विक सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड - 410 करोड़ रुपये
हल्दिया एनर्जी लिमिटेड- 377 करोड़ रुपये
भारती ग्रुप - 247 करोड़ रुपये
एस्सेल माइनिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड - 224 करोड़ रुपये
केवेंटर फूडपार्क इंफ्रा लिमिटेड- 194 करोड़ रुपये
मदनलाल लिमिटेड - 185 करोड़ रुपये
डीएलएफ ग्रुप - 170 करोड़ रुपये
यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल -162 करोड़ रुपये
उत्कल एल्यूमिना इंटरनेशनल- 145.3 करोड़ रुपये
जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड - 123 करोड़ रुपये
बिड़ला कार्बन इंडिया- 105 करोड़ रुपये
रुंगटा संस- 100 करोड़ रुपये
वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड - 220 करोड़ रुपये
भारती एयरटेल और उससे संबद्ध कंपनियां - 248 करोड़ रुपये
बिड़ला समूह से जुड़ी कंपनियां - 107 करोड़ रुपये
पिरामल समूह की कंपनियां - 48 करोड़ रुपये
सिप्ला लिमिटेड - 39.02 करोड़ रुपये
जायडस समूह - 29 करोड़ रुपये
भारत बायोटेक - 10 करोड़ रुपये
वेदांता समूह से जुड़ी कंपनियां - 402 करोड़ रुपये
टॉरेंट पावर - 106 करोड़ रुपये
डॉ रेड्डीज - 80 करोड़ रुपये
पीरामल एंटरप्राइजेज ग्रुप - 60 करोड़ रुपये
नवयुगा इंजीनियरिंग - 55 करोड़ रुपये
शिरडी साईं इलेक्ट्रिकल्स- 40 करोड़ रुपये
एडलवाइस ग्रुप- 40 करोड़ रुपये
सिप्ला लिमिटेड - 39.2 करोड़ रुपये
लक्ष्मी निवास मित्तल- 35 करोड़
ग्रासिम इंडस्ट्रीज- 33 करोड़ रुपये
जिंदल स्टेनलेस - 30 करोड़ रुपये
बजाज ऑटो - 25 करोड़ रुपये
सन फार्मा लैबोरेटरीज - 25 करोड़ रुपये
मैनकाइंड फार्मा - 24 करोड़ रुपये
बजाज फाइनेंस - 20 करोड़ रुपये
मारुति सुजुकी इंडिया- 20 करोड़ रुपये
अस्ट्राटेक - 15 करोड़ रुपये
टीवीएस मोटर्स - 10 करोड़ रुपये

दिल्ली के सीएम की गिरफ्तारी पर देशभर में आप और अन्य दलों का प्रदर्शन

आबकारी नीति में अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी समेत देशभर में आम आदमी पार्टी (आप) और अन्य राजनीतिक दलों ने विरोध प्रदर्शन किया।

दिल्ली में आप नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन किया। आईटीओ पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने इस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देते हुए प्रदर्शनकारियों को वहां से जाने के लिए कहा। बाद में पुलिस ने कैबिनेट मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने भाजपा मुख्यालय और ईडी कार्यालय जाने वाले मार्गों को बंद कर दिया। इससे आईटीओ चौराहे, राजघाट तथा विकास मार्ग पर बड़े स्तर पर यातायात बाधित हुआ।

दिल्ली यातायात पुलिस ने सोशल मीडिया पर जारी परामर्श में

कहा, दिल्ली के डीडीयू मार्ग पर राजनीतिक दल के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर आईपी मार्ग, विकास मार्ग, मिंटो रोड और बहादुर शाह जफर मार्ग पर भारी यातायात रहेगा। डीडीयू मार्ग यातायात के लिए बंद रहेगा। कृपया इन मार्गों से निकलने से बचें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। पंडित दीन दयाल मार्ग (डीडीयू) पर ही भाजपा और आप के मुख्यालय स्थित हैं। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में भी विरोध मार्च निकाल रहे आप कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आप नेता नवाब नासिर ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी अलोकतांत्रिक है। एजेंसी

हरियाणा में पानी की बौछार, लाठीचार्ज: हरियाणा में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछार की और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आवास का घेराव करने की कोशिश कर रहे थे। आप कार्यकर्ताओं ने कई शहरों में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए और कहा कि भगवा पार्टी केजरीवाल की बढ़ती लोकप्रियता के खिलाफ है।

पूंजीपतियों के खेले ने पूंजीपतियों का भरा पेट

भारतीयों के पास कितनी निजी संपत्ति

ये बहस चलती रहती है कि कौन कितना अमीर है और कौन कितना गरीब. यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड (यूबीएस) ने पिछले साल ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट 2023 नाम से एक रिपोर्ट जारी की थी. इसके अनुसार, भारत में व्यस्कों की आबादी 65 फीसदी है.

हर वयस्क भारतीय के पास एवरेज 16,500 डॉलर (करीब 13.70 लाख रुपये) की निजी संपत्ति है, जबकि कुल संपत्ति 15.4 ट्रिलियन डॉलर यानी कि करीब 1280 लाख करोड़ रुपये है.

भारतीयों के पास संपत्ति 8.7 फीसदी की दर से बढ़ रही है, जबकि दुनिया में ये दर 4.6 फीसदी है. पड़ोसी देशों में चीन, श्रीलंका, मालदीव के लोगों की संपत्ति भारत से ज्यादा है. चीन के वयस्कों की संपत्ति भारत से पांच गुना ज्यादा है. मालदीव में हर वयस्क के पास 21 लाख और श्रीलंका में 20 लाख रुपये की संपत्ति है.

अनुमान है कि दुनियाभर में 2027 तक वयस्कों की निजी संपत्ति 38 फीसदी बढ़ सकती है. दुनिया में हर वयस्क के पास 1.10 लाख डॉलर (91 लाख रुपये) की निजी संपत्ति होगी. भारत और चीन अरबपतियों की संख्या दोगुनी होने का अनुमान है.

GDP के आधार पर भारत कितना अमीर देश

भारत की जीडीपी ग्रोथ से भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमारा देश कितना अमीर है. 2023 में भारत की जीडीपी 3.75 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई, तो प्रति व्यक्ति जीडीपी 2610 डॉलर हो गई. जीडीपी के हिसाब से अभी भारत 5वां सबसे अमीर देश है.

(पेज 8 का शेष)

2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी है. ऐसा होने पर भारत दुनिया का तीसरा सबसे अमीर देश होगा.

जीडीपी के आधार पर भारत की अर्थव्यवस्था वैसे तो पांचवीं अर्थव्यवस्था है लेकिन प्रति व्यक्ति जीडीपी के पैमाने पर 194 देशों की लिस्ट में भारत का स्थान 144वां है. एशियाई देशों की बात करें तो यहां भी इस लिस्ट में भारत 33वें नंबर पर है.

भारत में कितने लोग गरीब?

भारत में जितने ज्यादा लोग अमीर हैं, उससे कई गुना ज्यादा गरीब भी हैं. गरीबी वह व्यक्ति होता है जिनके लिए दो वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल होता है. वो इतना कम कमाते हैं कि अपनी बुनियादी जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाते हैं. सरकार मानती है कि गांव में रहने वाला व्यक्ति अगर हर दिन 26 रुपये और शहर में रहने वाला व्यक्ति 32 रुपये खर्च नहीं कर पा रहा है तो वो व्यक्ति गरीबी रेखा से नीचे माना जाएगा. हालांकि भारत में गरीबी का अनुपात लगातार गिर रहा है. आजादी के पहले 80 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी. अब करीब 17 फीसदी लोग गरीबी रेखा से नीचे है. यानी कि 23 करोड़ आबादी. देश की आबादी के 4.2 फीसदी लोग बेहद निर्धनता हालत में रहते हैं.

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2005 के बाद अगले 15 सालों में 55 फीसदी लोग गरीबी से बाहर आए हैं. तब करीब 64.5 करोड़ लोग गरीबी में जी रहे थे. 2019-2021 में ये दर घटकर 16.4 फीसदी रह गई. यानी कि 15 सालों में 41.5 करोड़ लोग गरीबी के चंगुल से बाहर निकले. ये आंकड़ा बहुआयामी गरीबी सूचकांक में बताया गया है.

भारत के सबसे ज्यादा गरीब राज्य बिहार (33.76%), झारखंड (28.81%), मेघालय (27.79%), उत्तर प्रदेश (22.93%), मध्य प्रदेश (20.63%), असम (19.35%), छत्तीसगढ़ (16.37%), उड़ीसा (15.68%), नगालैंड (15.43%), राजस्थान (15.31%) हैं. रिपोर्ट के अनुसार बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश ऐसे राज्य हैं जहां गरीबी में तेजी से गिरावट देखी गई.

कैसे कम होगा अमीर-गरीब का फासला?

भारत सरकार ने अमीर और गरीब के बीच असमानता को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं. मनरेगा योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में गारंटी से रोजगार के अवसर पैदा किए जाते हैं.

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है. आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीबों को सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं.

हालांकि, सरकार के इन प्रयासों के बावजूद असमानता कम करने के लिए और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है. एजुकेशन सिस्टम में सुधार करना, कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना और बैंकों से ऋण तक पहुंच आसान बनाना कुछ ऐसे कदम हैं जो असमानता को कम करने में मदद कर सकते हैं. भारत की असमानता की समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता.

भारत में सबसे अमीर 1% लोगों के पास कुल संपत्ति का 40% से अधिक हिस्सा

पेज 1 का शेष

वर्ष 2022-23 के लिए आयुष (3,050 करोड़ रुपये)।

लैंगिक असमानता पर रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला श्रमिक प्रति 1 रुपये की कमाई पर केवल 63 पैसे कमाती हैं। अनुसूचित जाति और ग्रामीण श्रमिकों के लिए, अंतर और भी गहरा है - पहले वाले ने लाभ प्राप्त सामाजिक समूहों की कमाई का 55 प्रतिशत कमाया, और बाद वाले ने 2018 और 2019 के बीच शहरी कमाई का केवल आधा हिस्सा कमाया।

इसमें कहा गया है, 'शीर्ष 100 भारतीय अरबपतियों पर 2.5 प्रतिशत कर लगाने या शीर्ष 10 भारतीय अरबपतियों पर 5 प्रतिशत कर लगाने से बच्चों को स्कूल में वापस लाने के लिए आवश्यक पूरी राशि लगभग पूरी हो जाएगी।'

ऑक्सफैम ने कहा कि रिपोर्ट भारत में असमानता के प्रभाव का पता लगाने के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक जानकारी का मिश्रण है। फोर्ब्स और क्रेडिट सुइस जैसे माध्यमिक स्रोतों का उपयोग देश में धन असमानता और अरबपतियों की संपत्ति को देखने के लिए किया गया है, जबकि एनएसएस, केंद्रीय बजट दस्तावेज़, संसदीय प्रश्न इत्यादि जैसे सरकारी स्रोतों का उपयोग पूरी रिपोर्ट में दिए गए तर्कों को पुष्ट करने के लिए किया गया है।

अरबपतियों की संपत्ति में उछाल

ऑक्सफैम ने कहा कि नवंबर 2022 में महामारी शुरू होने के बाद से, भारत में अरबपतियों की संपत्ति में वास्तविक रूप से प्रति दिन 121 प्रतिशत या 3,608 करोड़ रुपये की वृद्धि देखी गई है। दूसरी ओर, 2021-22 में माल और सेवा कर (जीएसटी) में कुल 14.83 लाख करोड़ रुपये का लगभग 64 प्रतिशत नीचे की 50 प्रतिशत आबादी से आया, जबकि जीएसटी का केवल 3 प्रतिशत शीर्ष 10 से आया। प्रतिशत.

ऑक्सफैम ने कहा कि भारत में अरबपतियों की कुल संख्या 2020 में 102 से बढ़कर 2022 में 166 हो गई। भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की संयुक्त संपत्ति 660 बिलियन अमेरिकी डॉलर (54.12 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गई है - यह राशि पूरे केंद्रीय बजट को इससे अधिक के लिए वित्तपोषित कर सकती है। 18 महीने, इसमें जोड़ा गया।

ऑक्सफैम इंडिया के सीईओ अमिताभ बेहर ने कहा, 'देश के हाशिए पर रहने वाले दलित, आदिवासी, मुस्लिम, महिलाएं और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक उस प्रणाली में लगातार पीड़ित हो रहे हैं जो सबसे अमीर लोगों के अस्तित्व को सुनिश्चित करता है।

'अमीरों की तुलना में गरीब लोग अनुपातहीन रूप से अधिक कर चुका रहे हैं, आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च कर रहे हैं। समय आ गया है कि अमीरों पर कर लगाया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि वे अपना उचित हिस्सा अदा करें।''

बेहर ने केंद्रीय वित्त मंत्री से धन कर और विरासत कर जैसे प्रगतिशील कर उपायों को लागू करने का आग्रह किया, जो उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से असमानता से निपटने में प्रभावी साबित हुए हैं।

2021 में फाइट इनइक्वलिटी एलायंस इंडिया (एफआईए इंडिया) के एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण का हवाला देते हुए, ऑक्सफैम ने कहा कि 'भारत में 80 प्रतिशत से अधिक लोग अमीरों और निगमों पर कर का समर्थन करते हैं जिन्होंने कोविड -19 महामारी के दौरान रिकॉर्ड मुनाफा कमाया। इसमें कहा गया, '90 प्रतिशत से अधिक प्रतिभागियों ने असमानता से निपटने के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य का अधिकार और लिंग आधारित हिंसा को रोकने के लिए बजट के विस्तार जैसे बजट उपायों की मांग की।'

'अब समय आ गया है कि हम इस सुविधाजनक मिथक को ध्वस्त करें कि सबसे अमीर लोगों को लिए कर कटौती को परिणामस्वरूप उनकी संपत्ति किसी तरह बाकी सभी के पास पहुंच जाती है। अत्यधिक अमीरों पर कर लगाना असमानता को कम करने और लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने की रणनीतिक पूर्व शर्त है। इनोवेशन के लिए हमें ये करना होगा. मजबूत सार्वजनिक सेवाओं और खुशहाल और स्वस्थ समाजों के लिए, 'ऑक्सफैम इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक गैब्रिएला बुचर ने कहा।

एकमुश्त एकजुटता संपत्ति कर

ऑक्सफैम इंडिया ने केंद्रीय वित्त मंत्री से संकटपूर्ण मुनाफाखोरी को समाप्त करने के लिए एकमुश्त एकजुटता धन कर और अप्रत्याशित कर लागू करने का आग्रह किया। इसने सबसे अमीर 1 प्रतिशत पर करों में स्थायी वृद्धि और विशेष रूप से पूंजीगत लाभ पर कर बढ़ाने की भी मांग की, जो आय के अन्य रूपों की तुलना में कम कर दरों के अधीन हैं।

ऑक्सफैम ने विरासत, संपत्ति और भूमि करों के साथ-साथ शुद्ध संपत्ति करों का भी आह्वान किया, जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र के बजटीय आवंटन को 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाया, जैसा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में परिकल्पना की गई है। ऑक्सफैम ने कहा कि वह यह भी चाहता है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत किया जाए और शिक्षा के लिए बजटीय आवंटन को सकल घरेलू उत्पाद के 6 प्रतिशत के वैश्विक बेंचमार्क तक बढ़ाया जाए।

'सुनिश्चित करें कि औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को मूल न्यूनतम वेतन का भुगतान किया जाए। न्यूनतम मज़दूरी जीवित मज़दूरी के बराबर होनी चाहिए जो सम्मान के साथ जीवन जीने के लिए आवश्यक है।''

खाद्य कंपनियों पर अप्रत्याशित कर

जैसे ही विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक चल रही है, ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने कहा कि मुद्रास्फीति बढ़ने के कारण बढ़ा मुनाफा कमाने वाली खाद्य कंपनियों को वैश्विक असमानता को कम करने में मदद के लिए अप्रत्याशित करों का सामना करना चाहिए।

यह इसकी वार्षिक रिपोर्ट के विचारों में से एक है, जिसमें दावोस के स्विस स्की रिज़ॉर्ट में राजनीतिक और व्यावसायिक अभिजात वर्ग के सम्मेलन में असमानता को उजागर करने के लिए एक दशक की मांग की गई है।

रिपोर्ट, जिसका उद्देश्य इस सप्ताह कॉर्पोरेट और सरकारी नेताओं की विशेषता वाले पैनलों पर चर्चा शुरू करना है, ने कहा कि दुनिया एक साथ संकटों से घिर गई है, जिसमें जलवायु परिवर्तन, जीवनयापन की बढ़ती लागत, यूक्रेन में रूस का युद्ध और सीओवीआईडी -19 महामारी शामिल है। फिर भी दुनिया के सबसे अमीर और अमीर हो गए हैं और कॉर्पोरेट मुनाफा बढ़ रहा है।

ऑक्सफैम ने कहा कि पिछले दो वर्षों में, दुनिया के 1 प्रतिशत अति-अमीर लोगों ने शेष 99 प्रतिशत की संयुक्त संपत्ति से लगभग दोगुनी संपत्ति अर्जित की है। इस बीच, कम से कम 1.7 अरब कर्मचारी उन देशों में रहते हैं जहां मुद्रास्फीति उनकी वेतन वृद्धि से आगे निकल रही है, जबकि अरबपतियों की संपत्ति प्रतिदिन 2.7 अरब डॉलर बढ़ रही है।

असमानता से निपटने के उपाय

इन समस्याओं से निपटने के लिए, ऑक्सफैम ने एकमुश्त 'एकजुटता' करों और सबसे अमीर लोगों के लिए न्यूनतम दरें बढ़ाने सहित उपायों के संयोजन के माध्यम से अमीरों पर उच्च करों का आग्रह किया। समूह ने नोट किया कि अरबपति टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की 2014 से 2018 तक वास्तविक कर दर केवल 3 प्रतिशत से अधिक थी।

कुछ सरकारों ने जीवाश्म ईंधन कंपनियों के अप्रत्याशित मुनाफे पर कर लगाना शुरू कर दिया है क्योंकि यूक्रेन में रूस के युद्ध के कारण पिछले साल तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतें बढ़ गईं, जिससे दुनिया भर में घरेलू बिल पर दबाव पड़ा।

ऑक्सफैम चाहता है कि अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई को कम करने के लिए बड़े खाद्य निगमों को इसमें शामिल करने का विचार आगे बढ़ाया जाए।

ऑक्सफैम इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक गैब्रिएला बुचर ने कहा, 'अरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, और वे अमीर हो रहे हैं, और बहुत बड़ी खाद्य और ऊर्जा कंपनियां भी अत्यधिक मुनाफा कमा रही हैं।' बुचर ने एक साक्षात्कार में कहा, 'हम अप्रत्याशित करों की मांग कर रहे हैं, न केवल ऊर्जा कंपनियों पर बल्कि खाद्य कंपनियों पर भी इस संकटपूर्ण मुनाफाखोरी को समाप्त करने के लिए।'

युद्ध एक बहाना है

ऑक्सफैम की रिपोर्ट में कहा गया है कि धनी कंपनियां कीमतों में और भी अधिक बढ़ोतरी करने के लिए युद्ध को एक बहाने के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं। समूह ने कहा कि खाद्य और ऊर्जा उन उद्योगों में से हैं, जिनमें कम संख्या में खिलाड़ियों का वर्चस्व है, जिनके पास प्रभावी अल्पाधिकार हैं और प्रतिस्पर्धा की कमी उन्हें कीमतें ऊंची रखने की अनुमति देती है।

कम से कम एक देश पहले ही कार्रवाई कर चुका है। पुर्तगाल ने ऊर्जा कंपनियों और सुपरमार्केट और हाइपर मार्केट श्रृंखलाओं सहित प्रमुख खाद्य खुदरा विक्रेताओं दोनों पर अप्रत्याशित कर लगाया। यह जनवरी की शुरुआत में प्रभावी हुआ और पूरे 2023 तक लागू रहेगा। 33 प्रतिशत कर उन मुनाफे पर लागू होता है जो पिछले चार वर्षों के औसत से कम से कम 20 प्रतिशत अधिक हैं। जुटाया गया राजस्व कल्याणकारी कार्यक्रमों और छोटे खाद्य खुदरा विक्रेताओं की मदद के लिए जाता है।

ऑक्सफैम ने कहा कि अधिक या अप्रत्याशित लाभ कमाने वाली 95 कंपनियों के विश्लेषण में पाया गया कि उन मुनाफे का 84 प्रतिशत शेयरधारकों को भुगतान किया गया था, जबकि ऊंची कीमतों का लाभ उपभोक्ताओं को दिया गया था।

साप्ताहिक समय माया

10 साल में मोदी ने तबाह कर दिया

पूंजीपतियों के रखेले ने पूंजीपतियों का भरा पेट

80% को 2 वक्त की रोटी नहीं, 40% के पास रोजगार नहीं, गरीबी बढ़ी

छल बल दल बाचालता से सट्टा हथियाई जा सकती है पर चलाई नही जा सकती। यह कथन बाचाल मोदी के 10 वर्षो के शासन में सिद्ध कर दिया। क्रूर जाहिल मोदी नेअपनी स्वार्थ की खातिर जिन चालसाज पूंजीपतियो बहुराष्ट्रीय कंपनियो से चंदा लिया था। उनके लिए उसने पूरा देश की सार्वजनिक संपत्तियो उद्योगो संस्थानो बैंको रिजर्व बैंक सेना, सरकारी विभागो प्राकृतिक व मानव निर्मित संपदाओ को अपने पूंजीपति मित्रो को कबाड़ के भाव मे सौंप कर तबाह कर दिया चैन उसको यहां पर ही नही पड़ा वरुण प्रदेश के गरीब से गरीब को भी लूटने से बाज नही आया इसके लिए उसने इसके साथ सफाई के नाम पर ठेलो पग मार्गो की दुकानदार गुमटियो दुकानो बाजारो मंडियो छोटे उद्योग आदि की सफाई की।

जब इससे भी बात नहीं बनीतो उसने आमजन खर्च कमाई लेन देन भुगतान प्राप्तियां आदि की जानकारी के लिए कैशलेस की व्यवस्था कर यहां पर भीलोगो को लुटवाया इसके बाद नोटबंदी मे 6 महीने तक पूर देश को बेरोजगार बना कर रखा इसमे लगभग 30 करोड़ लोगो धंधे पानी व्यवसाय उद्योग खत्म होने से बेरोजगार हो गए। फिर पूंजीपतियो के फायद के लिए 1 जुलाई 17 को एक देश एक टेक्स करने के बाद जो जीएसटी थोपा गया उसमे पूंजी पतियो के फायदे और छोटे व्यापारियो उद्योगो को उलझाने और खत्म करने का षड्यंत्र करने के लिए 2300 दिन मे 6000 से ज्यादा संशोधन कर दिए गए जिस वह कर प्रणाली आम व्यापारियो उद्योगो को कर भुगतान मे उलझाता, जबकि करुण की वसूली करने वाले केंद्रीय व राज्यो के कर आयुक्तो और कर्मचारियो को व उसको थोपने वालो को आज तक समझ मे नहीं आई। जो मुश्किल से व्यवसायिक औद्योगिक कार्य कर पा रहे हैं। उनमे अधिकांश का सारे कर भरन विवरणीयां जमा करने के बाद मे भी जबरदस्ती नोटिस ठोके जाते हैं। वह दुख अभी समाप्त भी नहीं हुआ था की पूरे जिसके देश के उद्योगो व्यवसाय बाजारो को विश्व घातक संगठन के इशारे पर खत्म करने पूंजीपतियो को फायदा पहुंचाने उनका मोठा व्यवसाय कर उसमे हिस्सेदारी करने कोरोना ठोक दिया गया। अर्थात मोदी के पहले जो 20 करोड़ लोग गरीब हुआ करते थे वह 10 साल मे 100 करोड़ पहुंच गएइसके बारे में पूरी दुनिया मे हल्ला मच रहा है पर यहां के अपराधिक जाहिल वाचाल बधिर शासकों को चारो तरफ तबाही के बाद मे भी कोई फर्क नहीं पड़ रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की अमीरो की बढ़ती लूट गरीबो मे बढ़ती बेरोजगारी से उत्पन्न होती गहराई पर आने को रिपोर्ट छापी जा रही है का अंश:

इन 5 आंकड़ों से समझिए भारत में क्यों बढ़ रही है अमीरी और गरीबी के बीच की खाई?

भारत एक ऐसा देश है, जो अपनी विविधता के लिए मशहूर है. यहां ऊंचे-नीचे पहाड़, हरी-भरी वादियां, सुनहरे रेगिस्तान और नीला-छटा समंदर सब कुछ है. लेकिन इसी विविधता के बीच असमानता भी छिपी हुई है- किसी के पास बहुत कम धन, किसी के पास बहुत ज्यादा धन.

एक तरफ भारत की अरबपतियों की संपत्ति आसमान छू रही है, तो दूसरी तरफ करोड़ो लोग गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं. भारत की अर्थव्यवस्था निस्संदेह तेजी से बढ़ रही है. विश्व बैंक के अनुसार, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है.

2023-24 में भारत का जीडीपी 7.3 फीसदी बढ़ने का अनुमान है. मगर यह विकास देश की 140 करोड़ आबादी तक समान रूप से नहीं पहुंच रहा है. अमीर और गरीब के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है. भारत की प्रति व्यक्ति आय लगातार बढ़ रही है, मगर भारत में अभी भी गरीबी एक बड़ी समस्या है.

अमीर और गरीब के बीच बढ़ रहा फासला

देश मे अमीर और गरीब के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है. ऑक्सफैम इंटरनेशनल की वार्षिक असमानता रिपोर्ट के अनुसार, साल 2000 मे सिर्फ 1 फीसदी लोगो के पास देश की 33 फीसदी संपत्ति थी.

2022 तक एक फीसदी अमीरो के पास देश की 40 फीसदी संपत्ति हो गई. इसका मतलब है कि भारत के कुछ सबसे अमीर लोग पूरे देश की करीब आधी संपत्ति के मालिक हैं.रिपोर्ट मे बताया गया है देश के 100 सबसे अमीर लोगो की संपत्ति 660 अरब डॉलर यानी कि करीब 55 लाख करोड़ है.

कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन के कारण जहां लाखो लोगो का काम धंधा ठप हो गया था, वही अमीरो के संपत्ति मे खूब इजाफा हुआ.अप्रैल 2020 से नवंबर 2022 तक देश के अरबपतियों की संपत्ति मे 121 फीसदी का इजाफा हुआ. उनकी संपत्ति मे हर दिन 3608 करोड़ रुपये बढ़ती चली गई. वही अरबपतियों की संख्या भी 102 से बढ़कर 166 हो गई.

असमानता का भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास पर गंभीर असर पड़ता है. असमानता के कारण गरीबी, भुखमरी, कुपोषण और बीमारी बढ़ती है. असमानता के कारण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओ तक पहुंच कम हो जाती है.

अमीरी और गरीबी के बीच का यह बड़ा अंतर कहीं न कहीं सामाजिक अशांति और अपराध को भी बढ़ावा देता है.

(शेष पेज 7 पर)

पूरे देश वह विश्व में प्रदूषण के लिए विश्व घातक संगठन जिम्मेदार

बहुराष्ट्रीय कंपनियों का रखेला उनके लाभ के लिए करता है षड्यंत्र

छोटे उद्योगों की पॉलिथीन घातक, बड़े उद्योगों कंपनियों, व्यापारियों की पैकिंग पॉलीथिन पर्यावरण प्रेमी लाभकारी

पूरे विश्व मे अमेरिकी षड़यंत्रकारी संगठन विश्व शैतान संघ, विश्व घातक, विश्व आतंकी व्यापार संगठनो को जिन्हे वहां की बहुराष्ट्रीय हथियार, रसायन, पेट्रो, खाद्य, दवा बनाने वाली कंपनियां जो ऐसे सभी संगठनों को मोटा धन देती हैं। जैसे संगठन बनाने का उद्देश्य यही था की विश्व के देशों की सरकारो को मोटे छल बल धन से खरीद कानून बनवा अपने थोप कानूनो से उन देशो की प्राकृतिक एवं मानव निर्मित संसाधनो पर कब्जा कर वहां की जनता का चारो तरफ से हर प्रकार हर कदम शोषण किया जाए।

पिछले 70-80 सालो से अध्ययन करने पर मालूम पड़ेगा कि उनके इशारो पर नाच कर देश व दुनिया के अन्य देशो की सरकारो ने उनके सारे परकानून बनाकर अपने देश के हीन केवल प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनो कोमोटा कमीशन खाकर इन देशो की बहुराष्ट्रीय कंपनियो के संगठनो को सौंप दियाउनके दुष्कर्मो पापो प्रदूषण फैलाने जहरीले कीटनाशक रसायनो का खेती मे खाद्य पदार्थो मे उपयोग कर बीमारियां फैलाने फिर अपनी ही कंपनियो की दवाइयां उपकरण इंजेक्शन मशीने बेचने, बहुराष्ट्रीय कंपनियां अमेजॉन वॉलमार्ट जो अपने सभी खाद्य पदार्थों से लेकर पानी तक सामानो की प्लास्टिक व घातक अल्युमिनियम लोड़ आदि की जिलेटिन से पैकिंग कर मनमानी कीमत लूटने व प्रदूषण फैलाने बढ़ाने का काम स्वयं करवा रही है इसके विपरीत छोटे व्यापारियों उद्योगो को खत्म करने उन पर ही एलास्टिक पैकिंग के नाम पर उनके व्यवसाय चौपट करने आर्थिक दंड से वसूली करने वहां के नगर निगम पालिकाओ से लेकर फ्रांसीसी के स्तर के प्रदूषण नियंत्रण मंडलो जो कि यथार्थ मे बहुराष्ट्रीय कंपनियो का प्रदूषण फैलाव बढ़ाओ मंडल है।

बहुराष्ट्रीय कंपनियो काएलास्टिक पैकिंग मे पानीकी बोतले, खाद्य पदार्थों की एलास्टिक और एल्युमीनियम जिलेटिन जो भारत मे ही हिमालय के हिमनदों, नदियों, बांधो, नहरो से लेकर उनके हजारो किलोमीटर बहाव क्षेत्र से समुद्र तक सबको प्रदूषित करने बहाव क्षेत्र रोकने बाढ़ लाने का कार्य कर रही है से लेकर देश मे मोदी की सट्टा आने के बाद मे उसने सफाई कैशलेस नोटबंदी जीएसटी और तालाबंदी के बहाने सारे ताजी और खली खड़ी सामग्री बेचने वालो को खत्म कर बहुराष्ट्रीय कंपनियो पैकेज्ड खाद्य पदार्थों जो 98% तक कीटनाशको और प्रतिरक्षण रसायन घातक बीमारियां देने वाली होती हैं। की खाद्य पदार्थ बड़े शहरो से लेकर दूरदराज के गांवो की छोटी-मोटी दुकानो पर भी बिकवाने के लिए बाध्य कर दिया और वहपैकिंग सामग्री गांव के जल स्रोतों से लेकर खेतो तक को बर्बाद कर रही हैउसके ऊपर बिकी हुई सरकारी और उसका स्वास्थ्य विभाग प्रदूषण मंडल शहरीय व ग्रामीण विकास विभाग कोई प्रतिबंध व नियंत्रण नही करता व लगाता। क्योंकि उनका पॉलीथिन और पैकेजिंग मैटेरियल जो शहरो से निकलने वाले घरों दुकानो व व्यवसायिक संस्थानो के कचरे का 80% होता है। वह मानव पशु पक्षियों के स्वास्थ्य से लेकर पर्यावरण के स्वास्थ्य तक के लिए स्वास्थ्याप्रद और पर्यावरण हितेषी होता है।

इन बड़े उद्योगो व्यापारियो कंपनियो की मनमानी लूट को रोकने व उनके व्यापार को मंदा, चौपट चौपट करने व प्रतिद्वंद्विता से उनकी कीमतों को नियंत्रित करने वालो को समाप्त व खत्म करने बस छोटे उद्योगो व्यापारियो दुकानदार की खाद्य सामग्री को पैकिंग करने वाला पॉलिथीन ही प्रदूषण बिगाड़ लोगो का और पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगाड़ रहा है। जैसा कि भास्कर की एयरपोर्ट स्पष्ट करती है।

भारत की जैसा कि ऊपर लेख मेंकहा गया 96% आबादी प्रदूषण की चपेट में है। बेशक विश्व घटक संगठन के बनवाये हुए कानूनो खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के कारण 60% आबादी चपेट में तो है। परंतु जिस देश की 40% आबादी गांव में रहती है और गांव का प्रदूषण केवल बहुराष्ट्रीय कंपनियो के पैकिंग व पैकेज खाद्य वस्तुओं के कारण है। जिसके लिए विश्व घातक संगठन जिम्मेदार है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: अजमेरा एस.पी. कुमार, मो. 9425125569, भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9425637958